विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे www.vidarbhswabhiman.com 9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 10 से 16 अप्रैल 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 42 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

जीवन में जो लोग अपनों के लिए नहीं कर सकते हैं, वह कभी किसी के नहीं होते हैं. धोखेबाजी से हासिल सम्पत्ति जाते समय अत्याधिक तकलीफ देती है. विश्वास करने वाले का घात करने से बड़ा पाप नहीं हो सकता है. जीवन में खुश रहो और सभी को खुश रखने का प्रयास करो.

पेज नंबर 2
विदर्भ के लिए भाग्य से कम नहीं मुख्यमंत्री फड़णवीस

पेज नंबर 3
भारत रत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर के विचार ही तारेंगे-सुदर्शन गांग

पेज क्र.7
डा.बाबासाहब आंबेडकर हैं करोड़ों पीड़ितों के मसीहा-ज्ञानेश्वर धाने पाटील

पेज नं. 8
लगातार आगे बढ़ रही है अभिनंदन बैंक,मुख्यालय इमारत भी लगभग पूरी होने में

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

क़ानून ने आखिर राणा को दबोच ही लिया

मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड को एनआईए ने लिया कब्जे में, मुंबई बम कांड की जांच को मिलेगी गति

विदर्भ स्वाभिमान, 9 अप्रैल

नई दिल्ली- मुंबई में 26/11 आतंकी हमले की साजिश में अहम भूमिका निभाने वाले आतंकी तहव्वुर हुसैन राणा को प्रत्यर्पित कर भारत ले आया गया है. आईएसआई के लिए काम करने वाले और लश्कर-ए-तैयबा व हरकत-उल-जिहादी इस्लामी (हुजी) जैसे आतंकी संगठनों से करीब से जुड़े रहे तहव्वुर राणा को लेकर विशेष विमान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर गुरुवार शाम करीब पौने सात बजे उतरा, जहां एनआईए की टीम ने उसे यूएपीए के तहत औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया.

राणा को अमेरिका से विशेष विमान में एनएसजी कमांडो के सुरक्षा घेरे में लाया गया. वहीं अमेरिका में उसे अमेरिकी स्काई मार्शल की निगरानी में विशेष विमान तक पहुंचाया गया था. आतंकवाद के मामले में अमेरिका से भारत को यह पहला प्रत्यर्पण है.

गौरतलब है कि 26 नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकियों ने मुंबई में ताज महल व ओबेराय होटल, लियोपोल्ड कैफे, चबाड हाउस और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्टेशन पर हमले किए थे. इनमें मारे गए 166 लोगों में अमेरिकी, ब्रिटिश और इजरायली नागरिक शामिल थे.पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक 64 वर्षीय तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के साथ ही आतंकी अजमल कसाब और जबीउद्दीन अंसारी उर्फ अबु जुंदाल के बाद मुंबई के 26/11 हमले के एक अन्य आरोपित के ट्रायल व सजा का रास्ता साफ हो गया है. राणा पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16, 18, 20 और आईपीसी की धारा 120बी, 121, 121ए, 302, 468 व 471 लगाई गई हैं. एयरपोर्ट पर करीब तीन घंटा रहा.तसव्वुर राणा को विभिन्न शहरों में लेजाकर जांच की जाएगी.

ख़ुशियों और त्यौहारों में बीता सप्ताह, सर्वत्र उत्साह का संचार

श्रीराम नवमी से लेकर हनुमान जन्मोत्सव की धूम

विदर्भ स्वाभिमान,9 अप्रैल

अमरावती- भारतीय संस्कृति और परिवेश में हर त्यौहारों का अपना महत्व होता है. कई त्यौहार तो सीधे आर्थिक स्थिति से जुड़े रहते हैं. 6 अप्रैल को श्रीराम नवमी से शुरू हुआ पर्वों का त्यौहार 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती तक शुरू रहेगा. इसके चलते बाजार में जहां रौनक है, वहीं दूसरी ओर रविनगर के संकटमोचन हनुमान मंदिर में तो जैसे अयोध्या ही साकार हो गया है. यहां हनुमान जन्मोत्सव को लेकर पिछले 8 दिनों से कार्यक्रम चल रहा है. वल्लभनगर के हनुमान युवक मंडल द्वारा संचालित हनुमान मंदिर में भी 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ रात 7 बजे से महाप्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इसी तरह विदर्भ का सबसे बड़ा महाप्रसाद रविनगर हनुमान मंदिर में होता है, हजारों की संख्या में भक्त इसका लाभ लेते हैं. श्रीक्षेत्र जहांगीरपुर में भी हजारों की संख्या में भक्त इस दिन पहुंचकर हनुमानजी के दर्शन का पुण्यलाभ प्राप्त करेंगे. कुल मिलाकर पूरा सप्ताह ही खुशियों से बीता. सरकारी कर्मचारियों की शनिवार से कई छुट्टियों के साथ बल्ले-बल्ले होने वाली है. कुल मिलाकर सप्ताह भर से त्यौहार, पर्व और उत्साह की गंगा अंबानगरी में बह रही है. यह 14 अप्रैल तक जारी रहने वाली है.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 10वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

विदर्भ का भाग्य हैं सीएम देवेन्द्र फड़णवीस

विदर्भ के सुपुत्र देवेन्द्र फड़णवीस के रूप में विदर्भ का भाग्य फिर चमका है. यही कारण है कि अपने ननिहाल से अत्याधिक प्रेम करने वाले मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा विदिर्भ के जलप्रकल्पों की बात हो, अमरावती के बेलोरा हवाई अड्डे से यात्री सेवा शुरू करने की बात हो अथवा पानी का स्तर बढ़ाने के लिए भारतीय जैन संगठन के सहयोग से किया जाने वाला प्रयास हो, वह सदैव तत्पर हैं. ऐसे में यह उम्मीद करना गलत नहीं होगा कि निश्चित तौर पर देवाभाऊ के कार्यकाल में विदर्भ का विकास तेजी से होगा. लेकिन हैरत इस बात को लेकर होती है कि अमरावती जिले के नेताओं में उनके व्यक्तिगत अहंकार की लड़ाई अत्याधिक रहने से जिले का सत्यानाश हो रहा है, ऐसे में लोगों को यह ध्यान देना चाहिए. हालांकि सभी नेताओं में एकजुटता हो तो यहां एक नहीं बल्कि कई प्रकल्प, कई उद्यम लाना कोई बड़ी बात नहीं है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि लड़ाई के कारण जिले का विकास प्रभावित हो रहा है. लेकिन सभी को केवल मालदार बनने में ही दिलचस्पी है. लोगों का आरोप है कि बड़े प्रकल्पों को भी स्वार्थ के कारण ही लाया जा रहा है. ऐसे में मुख्यमंत्री फड़णवीस द्वारा जिस तरह से एलायंस एअर की ट्रायल के बाद 16 अप्रैल को इसका उदघाटन होने जा रहा है, उसके चलते अमरावती तेजी से आगे बढ़ रहा है.

लेकिन यह भी इतना ही सही है कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा विदर्भ के विकास को अत्याधिक महत्व दिया जाता है. उनके कार्यकाल में ही कई प्रकल्प पूरा हुए हैं और बाकी प्रकल्पों के लिए भी बेहतरीन दिवस आने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है. राज्य के मख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नियामक मंडल की 85वीं बैठक में विदर्भ के प्रकल्पग्रस्त किसानों को 832 करोड़ रुपए का सानुग्रह अनुदान मंजूर किया. आगामी 10 अप्रैल को मोर्शी रोड़ पर स्थित संत ज्ञानेश्वर सांस्कृतिक भवन में इस सानुग्रह अनुदान की राशि के खेप का वितरण किया जाएगा। जिसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उपस्थित रहेंगे.विदर्भ बलिराजा प्रकल्पग्रस्त संघर्ष संगठन के माध्यम से पिछले 10 वर्षों से सीधे खरीदी धारक किसानों पर हुए अन्याय के विरोध में विदर्भ के हजारों प्रकल्पग्रस्तों ने जबरदस्त आंदोलन किया. तत्कालीन सरकार ने सिंचाई प्रकल्पों के लिए किसानों की जमीन लेते समय 1894 का भूसंपादन कानून अस्तित्व में रहते समय सीधे खरीदी पध्दत से किसानों की जमीने खरीदी कर ली थी. विशेष यह कि संविधान में दिए गए मुलभूत अधिकार भी सरकार ने छीन लिए थे. जिससे किसान न्यायालय में नहीं जा पाते थे. जिससे प्रकल्पग्रस्तों के सामने भविष्य की समस्या निर्माण हुई थी. इस समुचे आंदोलन में विधायक प्रतापदादा अडसड ने प्रकल्पग्रस्तों को न्याय दिलवाने के पूरे प्रयास किए और उनके प्रयासों को आखिर 14 सितंबर 2023 को सफलता प्राप्त हुई. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नियामक मंडल की 85वीं बैठक में विदर्भ के सीधे खरीदी धारक किसानों को 832 करोड़ रुपए सानुग्रह अनुदान मंजूर किया है.मुख्यमंत्री के साथ कदम से कदम मिलाते हुए जिले के सभी नेताओं को काम करते हुए जिले के विकास में अग्रणी करना चाहिए.

ज़ानें नहीं,श्रीराम को जीवन में उतारें

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

समूचे विश्व में सनातन धर्म और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का उदाहरण नहीं हो सकता है.प्रभु श्रीराम केवल समझने नहीं बल्कि जीवन में उतारने वाले महानायक हैं. आदर्श पुत्र,भाई, परिवार प्रमुख कैसा होना चाहिए, इसका अद्भुत उदाहरण समूचे विश्व के समक्ष उन्हों ने रखा है. उनके 2 फीसदी गुणों को जो व्यक्ति जीवन में उतार ले, उसका यह जीवन और परलोक दोनों ही संवरने से कोई इंकार नहीं कर सकता है. प्रभ श्री राम का जीवन जहां आदर्श विचारों की खान है वहीं आज यह प्रभ श्री राम की ही महिमा है कि उनके जीवन और कार्यों पर न केवल भारत बल्कि समूचे विश्व में उन्हें सम्मान मिल रहा है और हर साल हजारों की संख्या में छात्र प्रभ श्री राम के जीवन पर पीएचडी करने का प्रयास करते हैं.

प्रभ श्री राम का जीवन मर्यादा त्याग सेवा और धर्म का जीवंत उदाहरण है. उनका जीवन चरित्र निर्माण तथा काम से बढ़कर जीवन में कछ नहीं होता है इसके प्रेरणा देता है. प्रभ श्री राम के गुणों को केवल पढ़ने नहीं बल्कि यदि प्रभ श्री राम के आदर्श विचारों को हम जीवन में कछ प्रतिशत ही उतार ले तो निश्चित तौर पर न केवल हमारा जीवन धन्य हो जाए बल्कि पूरे परिवार,समाज तथा राष्ट्र के लिए धन्य करने की ताकत प्रभ श्री राम के विचार रखते हैं. जीवन में माता-पिता का क्या महत्व होता है, बड़ों का क्या महत्व होता है इस बारे में बोलने की बजाय समूचे विश्व के सामने प्रभ श्री राम से बड़ा आदर्श उदाहरण कोई नहीं दे सकता है. वह कहते हैं कि इस जीवन में उसी का जीवन धन्य है जिसको माता-पिता प्राणों के समान प्रिय है. ऐसे आज्ञाकारी पत्र या पत्री के हाथों में चारों पदार्थ धर्म, अर्थ,काम

और मोक्ष सदा रहते हैं. माता-पिता तथा बजर्गों की सलाह को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, उसे पर अमल करने का प्रयास करना चाहिए यह सीख भी प्रभ श्री राम के जीवन से मिलता है. भय बिन होई ना प्रीति का संदेश देते हुए प्रभ श्री राम ने बताया है कि शक्ति और क्षमा दोनों ही गण व्यक्ति में होना चाहिए.

दूसरे को खुश करने से बड़ा पण्य नहीं और किसी को नाराज करने से अथवा उसके दिल को चोट पहुंचाने से बड़ा पाप नहीं हो सकता है. आदर्श मानव के क्या-क्या गण होना चाहिए, परिवार तथा रिश्ते किस तरह से पवित्र होने चाहिए इसका आदर्श उदाहरण प्रभ श्री राम से बड़ा समूचे विश्व में नहीं हो सकता है. हम सभी भारतीय भाग्यशाली हैं की जिन्हें प्रभ श्री राम के मार्गदर्शन तथा मानव प्रेमी विचारों को जानने और समझने का मौका मिला है. अमरावती में श्री रामनवमी के उपलक्ष में रविवार को निकाली गई शोभायात्रा, इस दौरान श्री राम भक्तों द्वारा दिखाई गई अनुशासन प्रियता और उत्साह जहां सराहनीय है, वहीं दूसरी ओर शांतिपूर्ण ढंग से इसे संपन्न करने के लिए शहर पुलिस द्वारा किया गया इंतजाम भी बेहतरीन रहा. श्री राम सेना द्वारा प्रदेश अध्यक्ष नामित तिवारी के मार्गदर्शन में राजकमल चौक पर भक्तों के लिए शरबत वितरण की व्यवस्था की गई थी. इसी तरह का समाज सेवी प्रयास शहर के विभिन्न संगठनों द्वारा तथा समाज सेवकों द्वारा किया गया था, इसकी भी सराहना की जानी चाहिए. जीवन में अगर हम प्रभ श्री राम को केवल दो फ़ीसदी भी जीवन में उतार ले तो निश्चित तौर पर हमारा जीवन धन्य होने से कोई नहीं रोक सकता है. अगर उन्हें हम भगवान के रूप में ना सही तो आदर्श राजा, आदर्श पुत्र, आदर्श भाई के रूप में जीवन में उतारने का प्रयास कर सकते हैं. श्री रामचरितमानस में मानवता से जुड़ा ऐसा कोई विषय नहीं है जिसका जिक्र प्रभ श्री रामचंद्र का आदर्श लिखते समय नहीं आया है. वर्तमान में जब मानवता, सगे नाते रिश्ते बेईमान हो रहे हैं, अपनापन कहीं खो गया है, स्वार्थ के कारण रिश्तो में दरार आ रही है ऐसे समय प्रभ श्री राम के विचारों की अत्यधिक आवश्यकता है. उनके जीवन को केवल पढ़ने की बजाय जीवन में उतारने का प्रयास करने से ही निश्चित तौर पर राष्ट्रीय प्रगति करेगा, इसमें किसी तरह का संदेह नहीं किया जाना चाहिए. मर्यादाओं का हनन करने से ही समस्या पैदा होती है. जब हर व्यक्ति मर्यादा में रहे तो दिक्कत वाला विषय नहीं होता है. ऐसे में श्रीराम को जीवन में उतारने का प्रयास हो.

झिरी श्रीराम मंदिर में उमड़ते हैं श्रीराम-श्रीश्यामबाबा भक्त

बडनेरा- ज़ीवन में प्रभु की कृपा जिन पर बरसती है, उनका जीवन धन्य हो जाता है. ऐसे ही भक्तों में शामिल हैं श्रीराम मंदिर झिरी के संचालक चंदूलाल अग्रवाल. पूरा परिवार ही धार्मिकता से ओतप्रोत है. श्रीराम, श्रीश्याम, संत गजानन महाराज मंदिर की मूर्ति स्थापना के साथ ही बालाजी हनुमानजी का दर्शन करने के लिए सदैव भक्तों का तांता लगा रहता है. स्वयं दिनमें तमाम व्यस्तता के बाद भी एक बार प्रभु का दर्शन उनका नित्य क्रम है. मंदिर के पुजारी तथा सेवक भी प्रभु सेवा तथा प्रभु का श्रृंगार करने में अग्रणी रहते हैं. जीवन में प्रभु का नाम ही संवारने के लिए काफी है. ऐसे में भक्तिभाव में डूबे भक्तों की सहायता के साथ ही हर तरह की खुशियां देने का काम प्रबु करते हैं. जिसमें भाव होता है, विश्वास होता है, उसे ही इसका अनुभव मिल सकता है. इसी का परिचायक है सिंघानिया परिवार द्वारा संचालित बडनेरा-यवतमाल रोड पर झिरी में स्थित श्रीराम और श्रीश्याम मंदिर. मंदिर में भक्तों की दर्शनार्थ जहां भीड़ लगती है, वहीं चंदूलाल अग्रवाल के साथ ही ट्रस्टी तथा परिवार के सदस्य भी भावभक्ती से ओतप्रोत रहते हैं. मंदिर का आकर्षक साफ-सफाई के साथ ही अन्य विशेषताएं जहां भक्तों को आकर्षित करती हैं, वहीं दूसरी ओर यहां आने वाले भक्तों की सुविधाओं काविशेष ख्याल अग्रवाल परिवार द्वारा रखा जाता है. श्रीराम दाल मिल के संचालक के रूप में जहां अग्रवाल परिवार ने व्यवसाय के क्षेत्र में शानदार कामयाबी हासिल की है, वहीं दूसरी ओर धार्मिक के साथ सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. श्रीराम दाल मिल की दाल पूरे विदर्भ में लोकप्रिय है. पकने में बेहतरीन के साथ ही यह कई खूबियों से युक्त होती है. झिरी में नवनिर्मित श्रीश्यामबाबा मंदिर जहां भक्तों की आशाओं को पूरा कर रहा है, वहीं श्री श्यामबाबा का आकर्षक और मोहक श्रृंगार भक्तों को आकर्षित कर रहा है. मंदिर में ग्यारस, बारस का कार्यक्रम अत्यंत भक्तिभाव से मनाया

गया. मंदिर के संचालक और समाजसेवी तथा विदर्भ की सुख्यात श्रीराम दाल मिल के संचालक चंदूलाल अग्रवाल, पवन अग्रवाल के साथ ही मंदिर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी सहित अन्य भक्तों द्वारा जहां सदैव प्रभु सेवा में योगदान दिया जाता है. वहीं यहां होने वाले धार्मिक कार्यक्रम में भी भक्त उमड़ रहे हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

डॉ.आंबेडकर के विचार ही तारेंगे

विदर्भ स्वाभिमान महामानव का विनम्र अभिवादन

भारत को अदभुत संविधान देकर समूचे विश्वमें अग्रणी रखने के साथ ही देश को एकता के सूत्र में बांधने वाले संविधान निर्माता डॉ.बाबासाहब आंबेडकर के विचारों में ही देश को तारने की ताकत है. इसका कड़ाई से पालन करने से कई समस्याओं का समाधान करने की ताकत है. यह अद्‌भुत है और उनकी दूरदर्शिता का परिचायक भी है. डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके विचारों पर चलते हुए परिवार,समाज तथा राष्ट्र के विकास में योगदान देंगे.

भारत के लोकतंत्र को पूरे विश्व में सर्वाधिक सम्मान के साथ देखा जाता है. इतना ही नहीं तो जिस तरह से हजारों जाति,धर्म,पंथ और भाषाएं तथा परम्पराएं रहने के बाद भी यहां पर जिस तरह से अनेकता में एकता का ताना-बाना बुना हुआ है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है. इसका पूरा श्रेय भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहब आंबेडकर को जाता है. वही देश विश्व में प्रगति कर सकता है, जहां शांति हो, सद्‌भाव हो, सभी के अधिकार सुरक्षित हों और सभी एक-दूसरे केसमान हो. भारतीय संविधान ने इन सभी बातों का ख्याल रखा है. कई मामले में तो हमारा संविधान विश्व के सबसे बड़े संविधान के रूप में सुख्यात है. अमेरिका की तुलना में भारतीय संविधान आदर्श है. इतना ही नहीं तो लाखों लोगों को यह किसी अजूबे से कम नहीं लगता है. भारत रत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर देश के ऐसे महान नेता थे, जिन्हों ने देश की व्यवस्था को इस कदर मजबूत बनाई कि उसे कोई भेद नहीं सके. 14 अप्रैल को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन और अभिवादन.

भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. बाबासाहब आंबेडकर सही मायनों में देश के जननायक तथा मानवता के मसीहा थे. उन्होंने करोड़ों लोगों को अन्याय के

जीवन से जहां मुक्त कराया, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का संदेश दिया. दीनों -पीडितों के जहां वे मसीहा रहे, वहीं दूसरी ओर आज देश बेहतरीन तरीके से चलने का माध्यम वही थे. उनके द्वारा विश्व का सर्वोत्तम संविधान भारत को दिया गया है. यह अपने आप में गर्व के साथ हर भारतीय के लिए गौरव की भी बात है. इन शब्दों में भारतीय जैन संगठन के विश्वस्त सुदर्शन गांग ने अपनी भावनाएं व्यक्त की. महामानव डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए वे कहते हैं कि उनके द्वारा बनाए गए संविधान ने ही कई ऐसे चमत्कार किए हैं, जो विश्व के किसी देश में नहीं हो सके हैं.अनगिनत बदलावों से बदले हुए देश को एकसंघ रखना केवल और केवल हमारे महान संविधान के कारण ही संभव हुआ है. बचपन में ही स्वंय पर अनेक अत्याचार सहने के बाद भी कबीरपंथी संस्कार प्राप्त डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने शिका व संघर्ष का संदेश समूची मानव जाति को दिया. उनके व्यक्तित्व निर्माण में मां रमाई की भूमिका अत्याधिक महत्वपूर्ण है. महामानव की जयंती पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी. उनके मुताबिक आज के दौर में उनके विचारों पर चलने से ही देश का तथा समाज का भला हो सकता है. डॉ. बाबासाहब आंबेडकर को दूरदर्शी महान नेता बताते हुए पानी फाउंडेशन के माध्यम से पर्यावरण संतुलन के लिए प्रयासरत रहने वाले सुदर्शन गांग ने कहा कि भारतीय संविधान समूचे विश्व में सबसे बेहतरीन है. उन्हों ने सदैव लोगों को पढ़ने, अधिकारों के लिए जागरूक रहने के साथ ही सामाजिक कामों में योगदान की सीख दी. डॉ. बाबासाहब आंबेडकर किसी एक क्षेत्र नहीं बल्कि हर क्षेत्र में पारंगत थे, इसका अनुभव तत्कालीन नेताओं को कई मौकों पर भी आया. संघर्ष जिदगी में सफलता का सूत्र होता है. शिक्षा को वे सबसे अधिक महत्व देतेथे. उनका मानना था कि जीवन तथा दिशा और दशा दोनों ही बदलने की ताकत केवल शिक्षा में है. शिक्षित होने पर हमारे अधिकारों की हमें जानकारी मिलेगी और उसके बाद हम पर कोई अन्याय नहीं कर सकेगा. आज उनके ही सीख ने लाखों की जिंदगी बदल दी. जितनी अच्छी कामयाबी हासिल करनी है, उसके मुताबिक संघर्ष करने की तैयारी और मानसिकता बनाने के बाद निश्चित ही कामयाबी तुम्हारे कदम चूमेगी. समाज के हर वर्ग को न्याय देने के साथ ही महिलाओं सहित सभी को न्याय दिलाया.डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं, सभी को उनके विचारों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए. हमें भारत भूमि पर जन्म लेने पर गर्व करना चाहिए और राष्ट्र के खातिर सब कुछ समर्पित करने का भाव रखने का प्रयास करना चाहिए. इससे हमारा देश फिर सोने की चिड़िया बनेगा.

सुदर्शन गांग
सुख्यात समाजसेवी तथा संविधान विषय के वक्ता

भारत के सभी त्यौहार देते हैं सदैव राष्ट्रप्रेम,भाईचारा का संदेश

प्रतिनिधि, 9 अप्रैल

अमरावती- मानवता से बड़ा धर्म हो नहीं सकता है. हर धर्म मानवता का संदेश देते हैं. इसका उदाहरण भारतीय संस्कृति और इसमें बसे संस्कार हैं. भारतीय संस्कृति तथा संस्कारों में ही एकता, राष्ट्र प्रेम रचा-बचा है. श्रीराम नवमी से शुरू त्यौहारों का सिलसिला संविधान निर्माता डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती तक चलता है, इसमें सभी एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं. एकता की ताकत ही सबसे बड़ी ताकत होती है. यही कारण है कि हमें त्यौहारों को खुशियों से मनाने का संकल्प लेने के साथ ही जीवन में मानवता की सेवा का संकल्प लेना चाहिए. हमारे हर पर्व भी हमें यही संदेश देते हैं. इस आशय का मत युवा व्यवसायी अभिषेक पंजापी ने किया. साथ ही हनुमान जन्मोत्सव के साथ ही डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती की सभी को शुभकामनाएं दी.

धर्म से बड़ा कर्म और राष्ट्रधर्म तो सबसे बड़ा होता है. इस आशय का मत युवा व्यवसायी और सामाजिक कामों में अग्रणी अभिषेक पंजापी ने व्यक्त किया. उन्हों ने तीनों ही पर्वों की शुभकामनाएं सभी को देते हुए कहा कि अपार उत्साह ही भारतीय संस्कृति की खूबी है. सालभर विभिन्न त्यौहारों, पर्वों के माध्यम से खुशियां मनाई जाती हैं. शिव स्पोर्टस के संचालक के साथ ही सिंधी समाज में सेवाभाव के लिए तेजी से आगे बढ़ने वाले अभिषेक पंजापी के मुताबिक मानवता की सेवा तथा हर इंसान से इंसानियत से पेश आने से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है.

युवा समाजसेवी, व्यवसायी के साथ ही माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देने वाले और अपने स्टेटस पर सालभर माता-पिता को रखने वाले अभिषेक पंजापी के मुताबिक माता-पिता की सेवा करने वाला बेटा कभी पीछे नहीं हो सकता है. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार के बुजुर्गों ने सदैव उन्हें तथा सभी युवाओं को मानवता की सेवा करने की सीख दी है. माता-पिता के भक्त अभिषेक पंजापी के मुताबिक मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं हो सकती है. इसलिए जितना संभव हो, हर व्यक्ति को अपने स्तर पर मानवता की सेवा का प्रयास करना चाहिए.

शहर में धार्मिक,राजनीतिक तथा सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. उनके मुताबिक जितना संभव हो सके, हर व्यक्ति को अपने से कमजोर व्यक्ति की मदद करने का प्रयास करना चाहिए, इससे निश्चित तौर पर जीवन में अलग ही खुशी और सुकून की अनुभूति होगी.

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

राजपुरोहित

फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी इवेंट फोटोग्राफी

इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी

HD व्हिडीओ शुटींग इंस्टाग्राम रील

कॉफी मग प्रिंटींग ड्रोन शुट

फोटो अलबम मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने शिलांगण रोड, अमरावती

संपर्क : 9028123251

जब हरि ने शंख-चक्र दिखा वप ग्रहण किया

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-12, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी - यह जप याग करने का समय है. इसलिए वेदोक्त शास्त्रों के अनुसार वपयाग पूरा करने के बाद आपके व्दारा पूछ गए सारे सवालों का जवाब देंगे. तब हमसे सुन सकते हैं. कहते हुए श्रीहरि के व्दारा वप को ग्रहण करना मुनियों की बातें स्वीकार करने से वे मुनिगण हरि को लेकर वप याग करने लगे. तब हरि ने शंख,चक्र सभी को दिखाकर वप को ग्रहण किया.

विप्रों का आनंद-हरि को अच्युत , परमात्मा , अनंत के रूप में सबके बडजानने के बाद अपने हाथों से हरि ने वप को ग्रहण करके एक ही बार उसे निगल लिया. इस दृश्य को देखकर सारे मुनिगण आश्चर्य चकित रह गए. मानो वे निर्जीव गुडियाएँ ही बन गए. भक्ति में परवश होकर वे पद्मदलाक्ष की ओर ताकने लगे.

तब श्री वत्सलांचनांचित विशाल वक्षवाले, सकल दिव्य रत्नाभरण भूषण वाले, सहस्त्र कोटि मार्ताड प्रभास समान गात्रवाले वपा परिमल मिलित अधरोंवाले नारायण ने करुणा कटाक्षों के साथ विप्रों की ओर देख कर कहा . मैं परम तुष्ट हुआ हूँ . कहते हुए रमा समेत अदृश्य हो गए . तब उन विप्र जनों ने संतोष का अनुभव किया . क्योंकि साक्षात हरि ने ही वपा ग्रहण किया . इससे हमारा जन्म ही धन्य हो गयाबड़े संतोष के साथ आगे उन्होंने यज्ञ का समग्र पूरा किया. बाद में अवबृथस्नान करके वे मुनिगण धन्य हुए. इस रूप में शौनकादि मुनियों को सुनाकर उनकी तरफ देखते हुए सूत ने आगे उनसे इस रूप में कहा. पूर्व जाबाली नामक महात्मा ने मुझे मुख्य रूप से इस कथा को सुनाया. वही कथा अत्यंत प्रीति से मैंने आप को सुनायी. उसी समय रमाधीश व्दारा की गयी एक और कथा है, जो धरती में विशेष इतिहास के रूप में प्रचलित होगी. उस कथा के बारे में भी सुनाऊँगा.अत्यंत विश्वास के साथ सूत ने फिर से कथा सुनाना शुरु किया. यज्ञ में भाग लेकर ब्राह्मणों के व्दारा दिये गए वप को ग्रहण करके श्रीहरि ने उनका उध्दार किया. तदुपरांत श्रीमन्नारायण सुंदर सुकुमार शरीर के साथ वेंकटगिरि के उत्तर भाग में सिरि समेत विहार करते समय एक दिन देशांतर की यात्रा करते एक विप्र ब्राह्मण दिखाई दिया.

कुमारधारा की महिमा-वह विप्र अत्यंत बलहीन और शुष्क शरीरवाला था. वह अपने भटके हुए पुत्र कौंडिन्य की खोज कर रहा था. वह उसे न पाकर अत्यंत दुखी था. वह रास्ता भी भटक गया था. वह वेंकटाद्रि मार्ग पकड़ कर जा रहा था. घना जंगल था. निर्जन था. उसे भूख प्यास भी लग रही थी. वह अब नीचे गिरनेवाला ही था. उसने अपने पुत्र को याद किया हे पुत्र कौंडिन्य! कहाँ चले गए हो बोलते बहुत दुःखी हो रहा था. तब दीनरक्षक भगवान ने उसके सामने खड़े होकर बड़ी दया दिखाते इस रूप में कहा . हे वृध्द ब्राह्मण इस महा जंगल में क्यों आये हो अब धरती पर तुम कुछ दिन रह पाओगे या नहीं . शायद अभी देह छोड़कर जा सकते हो . अपने बारे में बताओ यह सुनकर विप्र ने इस रूप में कहा. हे महात्मा अब मुझे शरीर पर आसक्ति नहीं है. मनुष्यों का ऋण चुकाये बिना मैं कैसे जा सकता हूँ. इन बातों को सुनकर माधव ने उस विप्र के हाथ को पकड़ कर उसे पावन तीर्थ के पास ले गए. उस विप्र ने वहाँ स्नान किया . वहाँ स्नान करने के बाद वह सौ साल वृध्द ब्राह्मण सोलह सालों का युवक बन गया. सोलह कलाओं के साथ परिपूर्ण होकर बाल-युवक बन खड़ा हो गया. हरि ने तब सहस्त्र शीर्ष सहस्त्र बाहु सहस्त्रपाद सहस्त्र नेत्रवाले बनकर उस युवक को दर्शन दिए. यह देखकर गगन से इंद्र देवादि ने फूलों की वर्षा बरसायी. धुंधुभी बजायी. हरि के सिर पर फूलों की वर्षा बरसायी. विश्व रूप भगवान को देखकर उन्होंने उनकी खूब स्तुति की. तब हरि विप्र की ओर देख कर तुमको धन समृध्दि प्राप्त होगी. अब तुम देव ऋण चुकाने अपने आश्रम पर जाकर याग करो .ऐसी आज्ञा देकर हरि अदृश्य हो गये. विप्र भी अपने निजाश्रम लौट गये . इस प्रकार वृध्द ब्राह्मण इस तीर्थ में स्नाम करके बाल सुकुमार युवक बने हैं. इसलिए इस तीर्थ का नाम कुमार धारा पड़ गया. इस तीर्थ में तीन महीने कोई जितेंद्रीय बनकर त्रिकाल स्नान करेगा तो वह बज्र शरीरवाला बनेगा. वृध्दाप्य के बिना सुखी जीवन बितायेगा .ऐसा निर्णय करके देवतागण अपने-अपने स्थानों पर लौट गए. जाबाली मुनि के व्दारा सुनी हुई कथा को सूत मुनि ने शौनकादि मुनियों को सुनायी है.

शेष आगे के अंक में

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

सभी के चहेते, प्रिय मित्र, व्यंकटेश बालाजी के भक्त

महेशभैया डोबा

को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक

शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक- महेश डोबा मित्र परिवार, भगवान बालाजी के अनन्य भक्त, खल्लार बालाजी भक्त मंडल,खल्लार

मौसम की बेईमानी ने बढ़ाई परेशानी

कभी गर्मी तो अचानक घिर रहे हैं बादल, अस्पतालों में उमड़ी है भीड़

विदर्भ स्वाभिमान, 9 अप्रैल

अमरावती- शहर तथा जिले का मौसम इन दिनों बेईमान बन गया है. कभी भीषण गर्मी तो कभी तेज आंधी के कारण यह जहां त्रस्त कर रहा है, वहीं शहर के साथ ही जिले में बीमारों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है. सरकारी तथा निजी अस्पतालों में भी मरीजों की भीड़ जमा हो रही है. कुल मिलाकर मौसम की बेईमानी ने सभी को त्रस्त कर दिया है. अमरावती के अलावा मोर्शी , अचलपुर, दर्यापुर तथा अन्य स्थानों पर भी तेज हवाओं के साथ ही बारिश ने सभी को त्रस्त कर दिया. बारिश से मौसम कुछ समय के लिए शीतल हुआ लेकिन इसके बाद बारिश के कारण उमस ने लोगों को त्रस्त कर दिया.

शहर समेत जिले में बुधवार को दिन भर जबरदस्त धूप रहने के बाद शाम होते-होते मौसम ने फिर करवट ली. शाम ठीक 6.30 बजे से आंधी-तूफान शुरू हो गया. जिससे अनेक जगहों पर बिजली गुल हो गई. कई जगहों पर पेड़ गिरे. तूफान इतना तेज था कि सड़कों पर वाहन चलाना मुश्किल हो गया. आसमान में बिजली की कड़कड़ाहट चलती रही. उमड़-घुमड़कर आए बादल रात 8 बजे के बाद मोटी-मोटी बूंदों के साथ बरसना शुरू हो गए. इस तरह दिन भर तपन के बीच अचानक बेमौसम बारिश ने महावीर जयंती, डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती और हनुमान जयंती को लेकर शहर समेत जिले में अनेक चगह चल रही तैयारियों में विघ्न पड़ा.

बुधवार को दिन भर सूरज तपने के बाद तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. इस तरह सुबह से लेकर शाम तक गर्मी ने जहां सभी को हलाकान-परेशान किया. वहीं दूसरी ओर शाम 6.30 बजे के बाद अचानक मौसम ने मिजाज बदला. जिले के विभिन्न तहसीलों में आसमान गरजने लगे. आंधी-तूफान के साथ ही बूंदाबूंदा शुरू हो गई. एकदम कमी आ रही है. तेज हवाओं के साथ ही बिजली की गड़गड़ाहट ने सभी को परेशान किया. शहर में रात 7 बजे के करीब तेज हवाओं के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. अनेक तहसीलों-गांवों व क्षेत्रों में बिजली गुल होने से आधा-एक घंटा अंधेरा छा गया.

अचलपुर. शहर के साथ ही तह सील में तेज हवाओं के कारण ही बारिश होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. रात्रि में सुबह से जबर्दस्त मौसम में अचानक तेज हवाओं के साथ ही मौसम सभी त्रस्त हो गए.अचलपुर और परततवाड़ा शहरों में आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने की घटनाएं हुईं. 9 अप्रैल को जब तापमान बढ़ रहा था, शाम 6 बजे के आसपास मूसलाधार बारिश शुरू हो गई. शाम को 7 बजे के करीब अचानक मौसम में जबर्दस्त बदलाव होने के बाद तापमान में कमी दर्ज होने के साथ ही जोरदार हवाएं भी दर्ज की गई.

मोर्शी तहसील के लेहगांव, निंभी, तलनी मोर्शी शहर में भी बड़े पैमाने पर जमकर बारिश है. गर्मी के कारकण बड़े पैमाने पर गर्मी होने दर्ज की गई है. इससे बड़े पैमाने पर लोड़क त्रस्त हैं. किसानों को भी बड़े पैमाने पर किसान परेशान हैं. बुधवार को अचानक मूसलाधार बारिश गर्ज किया गया है.

तिवसा तहसील में सातरगांव,दापोरी, वरूड़ा क्षेत्र में भी जमकर बारिश का अनुभव किसान ने किया है. सुबह से लेकर जबर्दस्त बारिश के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है. सुबह से बड़े पैमाने पर मौसम में बदलाव दर्ज किया गया है. इसको लेकर लोगों को परेशानी से जूझना पड़ रहा है. तहसील में भी रात 8 बजे के बाद अचानक मौसम में बदलाव होकर तेज हवाओं के कारण गर्मी से बड़ी राहत लोगों को मिली. तहसील के कुछ गांवों में हल्की बूंदा-बांदी भी तेज हवाओं के साथ होने की जानकारी मिली है. तेज हवाओं के कारण कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होने से बिजली आने और जाने का सिलसिला कई इलाकों में चलता रहा.धवार को शाम 7 बजे अचानक चली तेज अंधड़ के कारण शहर में चैतन्य कॉलनी और तपोवन के उषा कॉलनी में दो बड़े पेड़ धाराशाही हुए. दोनों स्थानों पर पेड़ गिरने की सुचना मिलते ही मनपा के उद्यान विभाग और दमकल दल मौके पर पहुंचे. बागान अधीक्षक श्रीकांत गिरी की अगुवाई में महावितरण कर्मियों की मदत से क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद कर रस्ते पर गिरे पेड़ हटाने की कार्रवाई शुरू की.पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से मौसम की आंखमिचौली ने स्वास्थ्य के लिए समस्या पैदा कर दी है. इससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है.

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें. छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर
9423426199,
8855019189

हजारों ने दी पूर्व सांसद तथा भाजपा स्टार प्रचार को शुभकामनाएं

प्रतिनिधि, 9 अप्रैल

अमरावती- जिले की पूर्व सांसद और भाजपा की राष्ट्रीय स्तर की स्टार प्रचारक सौ. नवनीत रवि राणा के जन्मदिन पर उनके शंकरनगर स्थिति गंगासावित्री निवास स्थान पर लोगों का मेला लग गया. इसमें समाज के हर वर्ग के लोगों का समावेश था. सभी ने जहां उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी, वहीं दूसरी ओर उनकी हर मनोकामना पूरी होने का आशिर्वाद दिया. नवनीत राणा ने भी सभी की शुभकामनाओं को स्वीकार करते हुए जनहित में सदैव प्रयासरत रहने का भरोसा दिलाया. सुबह से लेकर रात्रि तक जन्मदिन की शुभकामनाएं देने का सिलसिला शुरू था. सभी ने जहां उनकी सादगी की सराहना की, वहीं दूसरी ओर उनके विनम्र स्वभाव, गरीबों , दीन-दलितों और पीड़ितों की समस्याओं को सुनने और उसका निराकरण करने के लिए तत्पर रहने की बात कही. उन्हें शुभकामनाएं देने वालों में हर वर्ग के लोगों का समावेश

था. उनके मुताबिक राणा दम्पति बोलने में नहीं बल्कि सही मायने में जनसेवा करने में भरोसा रखता है. वह सभी का है और सभी उन्हें अपना मानते हैं. अभिनेत्री रहने के बाद भी गर्व से कोसों दूर रहने वाली, गरीबों, जरूरतमंदों, आदिवासियों के साथ ही हर गरीब तबके के लिए जननायक की भूमिका निभाने वाली सांसद के रूप में उनके पांच साल केकार्यकाल का गौरवपूर्ण उल्लेख भी किया. कईयों ने तो यहां तक कहा कि उनकी हार से अमरावती जिला विकास में पिछड़ गया है. पूर्व सांसद के बाद भी आज भी जिले की समस्याओं को लेकर वैसे ही सक्रिय हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित दिग्गज नेताओं के साथ उनके संबंध और जिले के विकास के लिए जिस तरह से उन्हों ने स्वयं को झों का है, वह अपने आप में अनूठा है. जिले के विकास के लिए वे जहां प्रयासरत रहती हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबों, दीन-दलितों पीड़ितों पर होने वाले अन्याय के लिए वे आक्रामक हो जाती हैं. हनुमान चालीसा के मामले में तत्कालीन सरकार से पंगा लेने का काम केवल उनके जैसी जिगरबाज नेत्री ही कर सकती है. संसद में जिस तरह से वे जनता की समस्याओं को मुखरता से रखती थीं. सभी के प्रति उन्हों ने कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों का यही प्रेम उन्हें सदैव कुछ करने की प्रेरणा देता है.

अभूतपूर्व रही अमरावती में श्रीराम नवमी की शोभायात्रा, विभिन्न झलकियां राजकमल की

श्रीराम नवमी शोभायात्रा

अमरावती- शहर में श्रीराम नवमी के उपलक्ष्य में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के साथ ही दर्जनों संगठनों द्वारा 6 अप्रैल को निकाली गई शोभायात्रा अभूतपूर्व रही. इसमें जहां पूर्व सांसद और भाजपा की राष्ट्रीय स्तर की स्टार प्रचार नवनीत रवि राणा तथा विधायक रवि राणा छा गए थे, वहीं घंटों पूरा शहर ही श्रीराममय हो गया था. शहर के मुख्य राजकमल चौक पर श्रीराम नवमी शोभायात्रा का नजारा देखने लायक था. इस दौरान हजारों श्रीराम भक्तों ने जय श्रीराम के नारे से पूरी अंबानगरी को ही अयोध्या में तब्दील कर दिया था. भक्तों की हजारों की भीड़ रहने के बाद भी बेहतरीन अनुशासन और नियंत्रण की सभी ने सराहना की. शहर के प्रमुख मार्गों से जहां से यह शोभायात्रा गुजरती थी, लोग भक्तों की सेवा के लिए तत्पर दिखाई दे रहे थे. कुल मिलाकर शोभायात्रा न भूतो, न भविष्यती रही.

विज्ञापन प्रतिनिधि
चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

– संपर्क –
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती
मो. 9423426199, 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान
वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

मै ज़िंदगी का साथ
निभाता चला गया
हर फ़िक्र को धुएं में
उड़ाता चला गया
ग़म और ख़ुशी में फ़र्क़ न
महसूस हो जहां
मैं दिल को उस मक़ाम पे
लाता चला गया
जो मिल गया उसी को
मुक़द्दर समझ लिया
जो खो गया मैं उस को
भुलाता चला गया
बर्बादियों का सोग मनाना
फ़ुज़ूल था
बर्बादियों का जश्न
मनाता चला गया

अभिवादक - नानकराम नेभनानी परिवार,अमरावती.

शुभेच्छुक - अरूण कडू, सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन तथा समस्त
आनंद परिवार, बडनेरा, अमरावती.

डॉ.बाबासाहब आंबेडकर मानवता के मसीहा- ज्ञानेश्व धाने पाटील

अमरावती- बिना किसी तरह की रक्तपात किए भारत के संविधान के माध्यम से हर वर्ग को न्याय दिलाने वाले भारत रत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर मानवता के मसीहा हैं. उनकी जयंती पर करोड़ों दीन-दलितों पीड़ितों को शुभकामनाएं देते हुए शिवसेना के वरिष्ठ नेता और लाखों छात्रों को बेहतरीन शिक्षा देकर जीवन संवारने वाले पूर्व विधायक ज्ञानेश्वर धाने पाटील ने नमन किया. साथ ही डॉ.बाबासाहब आंबेडकर द्वारा बताए गए मार्गों पर चलते हुए आगे बढ़ने का आग्रह किया. उनके मुताबिक भारत में आज हजारों जाति,धर्म पंथ रहने के बाद भी केवल संविधान से सभी एकता में बंधे हैं.

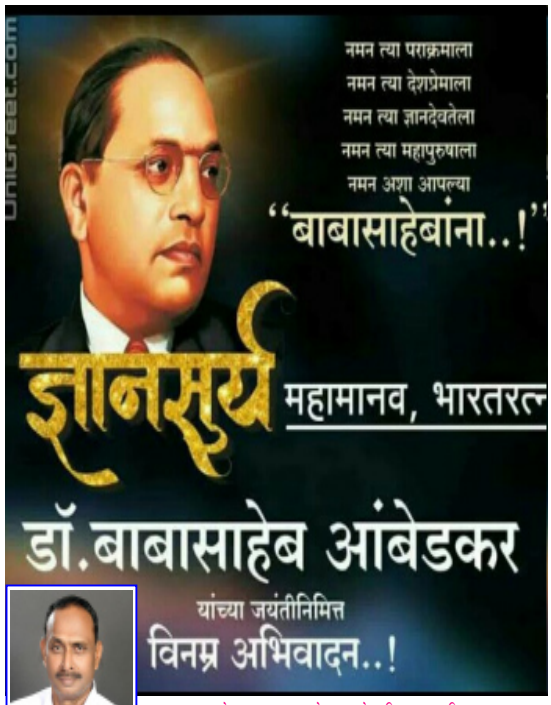

शुभेच्छुक-मा.आ.ज्ञानेश्वर धाने पाटिल तथा परिवार
जिला शिवसेना समन्वयक तथा शिक्षा की गंगा बहाने वाले समाजसेवी.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.
कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25
9423426199
8855019189

गुरूवार 10 से 16 अप्रैल 2025

मेष
ज़ीवन में सभी की भावनाएं समझते हुए काम करने का प्रयास करें. आपका कोई काम नहीं रूकेगा. सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी के पास फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है. किसी से नाहक विवाद करने से बचना श्रेयस्कर होगा. जीवन में सदैव ईमानदारी से कार्य करने का प्रयास लाभदायी होगा.

वृषभ
यह सप्तह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

मिथुन
छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. वाहन चलाने में गड़बड़ी भारी पड़ सकती है.

कर्क
यह सप्ताह आपके लिए नई उम्मीदों वाला हो सकता है. ऐसे में समझदारी से हर काम को निपटाने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ
सप्ताह में मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है. इसके साथ ही अपने काम पर समर्पण के साथ ध्यान देना होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपके लिए हितकर होगा. नाहक के विवाद से बचें .

मीन
भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे.

अभिनंदन बैंक का 2024-25 के लिए लाभ 5.67 करोड़ और सकल एनपीए 1.11 करोड़, 0.14फीसदी

विदर्भ स्वाभिमान, 9 अप्रैल

अमरावती- सहकारिता क्षेत्र की विश्वसनीय और लगातार प्रगति तथा सामाजिक जिम्मेदारी,कर्मयोगियों को खुश रखते हुए अभिनंदन अर्बन बैंक तेजी से आगे बढ़ रही है. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए माननीय रविवार को निदेशक मंडल एवं कर्मचारियों का 'स्नेह मिलन समारोह' आयोजित किया गया. यह 6 अप्रैल 2025 को होटल ग्रेस इन राजापेठ, बडनेरा रोड में उत्साह के साथ मनाया गया. बैंक और कार्यक्रम के अध्यक्ष एडवोकेट. विजयजी बोथरा ने सभी माननीयों को संबोधित किया. उन्होंने निदेशकों एवं कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 की वित्तीय स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए बताया कि बैंक की सभी शाखाओं ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में दिए गए उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु लगातार प्रयास किए, जिसके फलस्वरूप 31 मार्च 2025 तक बैंक का कुल कारोबार 11फ़ीसदी बढ़ा है, जबकि बैंक की अंश पूंजी 5.69 करोड़, रिजर्व एवं अन्य निधियां 44.97 करोड़, नेटवर्थ 50.03 करोड़, जमाराशि 373.77 करोड़, ऋण 253.97 करोड़, कुल कारोबार 627.74 करोड़, सी.डी. अनुपात 68.00फ़ीसदी, प्रति कर्मचारी व्यवसाय 7.85 करोड़, लाभ 5.67 करोड़, सीआरएआर 19.53फ़ीसदी, सकल एनपीए. 0.14फीसदी जबकि नेट एन.पी.ए. यह 0फ़ीसदी है. परतवाड़ा, अचलपुर, धामनगांव रेलवे और वरुड शाखा सकल एनपीए. यह लगातार 0फ़ीसदी है. बैंक ने अपने माननीय को सूचित कर दिया है. बैंक के चेयरमैन एडवोकेट ने कहा कि बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए अत्याधुनिक डिजिटल सेवाएं और अति महत्वपूर्ण यूपीआई सेवाएं शुरू की हैं, तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 में सात उत्कृष्ट पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं. विजय बोथरा ने अपने भाषण में अपने विचार व्यक्त किए. इसके अलावा, माननीय सदस्य, माननीय ग्राहकों, निदेशकों एवं कर्मचारियों के सहयोग से हमारे बैंक के स्वयं के स्वामित्व वाले भवन अभिनंदन हाइट्स का सिविल कार्य एवं फर्नीचर का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा अगले 1 माह में बैंक के प्रधान कार्यालय एवं बैंक की दसवीं नई कैंप शाखा का उद्घाटन हो जाएगा.

अभिनंदन हाईट्स बनेगी शान

अभिनंदन हाइट्स' का उद्घाटन जल्द ही माननीय द्वारा किया जाएगा. अत्याधुनिक ग्राहक सेवा सुविधाओं के साथ नई कैंप शाखा को कैंप रोड, अमरावती में स्थानांतरित किया जाएगा और प्रशासनिक कार्यालय को 'अभिनंदन हाइट्स' में स्थानांतरित किया जाएगा. वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत में स्थायी कर्मचारियों के लिए 14फ़ीसदी महंगाई भत्ते की घोषणा

होने पर उपस्थित सभी कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की.अपने संबोधन में बैंक के संस्थापक एवं निदेशक हुमकचंदजी डागा ने कहा कि वे वित्तीय वर्ष 2024-25 में हुई प्रगति से संतुष्ट हैं.बैंक के निदेशक एवं निदेशक मंडल के अध्यक्ष सुदर्शनजी गंग ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि बैंक ने अपनी वर्तमान स्थिति से ऊंची उड़ान भरना शुरू कर दिया है और इसे और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाना सभी मेहनती कर्मचारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है. जो कर्मचारी यह महसूस करते हैं कि वे सिर्फ बैंक कर्मचारी हैं, उन्हें भी स्वयं बैंककर्मी बनने की जरूरत है. इससे कार्य प्रणाली और मजबूत होती है, तथा संगठन एवं स्वयं का समग्र विकास होता है.इसके बाद, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निदेशक द्वारा 'उत्कृष्ट कर्मचारी 2024-25' का सम्मान किया गया और अचलपुर शाखा ने शाखा व्यवसाय वृद्धि के लिए 'उत्कृष्ट शाखा पुरस्कार' जीता.

कार्यक्रम का परिचय और संचालन बैंक के सीईओ शिवाजी देठे ने किया, जबकि बैंक के चेयरमैन एडवोकेट. बोथराजी ने स्थायी कर्मचारियों के लिए 14ऽ महंगाई भत्ते की घोषणा करने के लिए सभी कर्मचारियों की ओर से निदेशक मंडल और प्रबंधन को धन्यवाद दिया.

बैंक के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र बराडिया ने बहुत ही कम शब्दों में अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर बैंक के माननीय निदेशक कंवरीलाल ओस्तवाल, किशोर बोकारिया, गौरव लुणावत, नवीनजी चौरडिया जबकि प्रबंधन बोर्ड के सदस्य भारत प्रकाश खजांची, सी.ए. इस अवसर पर मुख्य रूप से बैंक के महाप्रबंधक जनजक बोथरा उपस्थित थे साथ ही श्रीमती बोकारिया, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल उगले एवं बैंक के सभी प्रबंधक एवं कर्मचारी उपस्थित थे. कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के बाद मैत्रीपूर्ण भोजन के साथ हुआ.सभी के प्रयासों से यह संभव होने की बात कही गई.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा

गर्मी के दिनों में राजकमल चौक पर रात में क्यों रहता है मेला...क्यों कि यहां पर दुग्धपूर्णा का शेक मिलता है....एक बार अवश्य आजमा लें...